डीएवी नरवाणा के मेधावियों को सम्मान, शाबाशी मिली

शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डाक्टर राजेश शर्मा ने सालाना समारोह में पुरस्कृत किए होनहार, नशे से दूर रहने की दी शिक्षा

कार्यालय संवाददाता -योल

डीएवी पब्लिक स्कूल नरवाणा योल का वार्षिक समारोह 28 नवंबर 2025 को स्कूल में बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई। जिसके बाद छात्रों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डाक्टर राजेश शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि पृथी पॉल सिंह डीएवी पब्लिक स्कूल घुमारवीं के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य विनोद कुमार, आर्मी पब्लिक स्कूल योल के प्रधानाचार्य अर्जुन सिंह ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि डीएवी महाविद्यालय के छात्र रहे हैं। उन्होंने दयानंद सरस्वती जी के प्रति जो प्रस्तुति थी, उसकी सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने बच्चों को नशे से दूर रहने के लिए कहा। समग्र शिक्षा प्रदान करने में स्कूल के प्रयासों की सराहना की। छात्रों को दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि पहले लक्ष्य तय करें और फिर मेहतन में जुट जाएं। स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद किया और प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू जी बारे में बताया। छात्रों को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने की सलाह दी। इस वर्ष के समारोह का विषय विरासत थ, जिसे जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला के माध्यम से खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। शानदार समूह नृत्य और योग नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रधानाचार्या लता ठाकुर ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें विद्यालय की वर्ष भर की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने छात्रों और कर्मचारियों को उनके समर्पण और टीम वर्क के लिए बधाई दी ।अभिभावकों को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। बाद डीएवी गान का आयोजन हुआ। यह आयोजन एक शानदार सफलता थी और उपस्थित सभी लोगों के लिए एक अमिट स्मृति छोड़ गई।

दिव्य हिमाचल Sat, 29 November 2025
https://epaper.divyahimachal.com/c/78637959

Himachal Dastak

विस-लोस लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर : कुलदीप पठानिया

धर्मशाला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गोला भटियात के छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को सत्र से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से मुलाकात की। विद्यार्थियों ने कुलदीप सिंह पठानिया से मुलाकात के दौरान शुक्रवार को कार्यवाही, संसदीय प्रणाली व विधानसभा की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी हासिल की। इस अवसर पर बच्चों से संवाद करते हुए पठानिया ने कहा कि विधानसभा, लोकसभा लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर है, जहां देश का कानून बनाया जाता है। इस अवसर पर उनके साथ उपमुख्य सचेतक हिमाचल प्रदेश सरकार केवल सिंह पठानिया, स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा आदि मौजूद थे।

Anant Gyan

शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन विधान सभा सचिवालय पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया का स्वागत करते हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा। इस अवसर उनके साथ मौजूद हैं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, विधायक कैप्टन रणजीत सिंह राणा तथा विवेक शर्मा (विक्कू)।

Apka Faisla

हिमाचल प्रदेश में 10वीं की दोहरी बोर्ड परीक्षा व्यवस्था लागू : शिक्षा बोर्ड

नई प्रणाली के तहत फरवरी-मार्च में पहली परीक्षा होगी, जबकि जून-जुलाई में दूसरी परीक्षा आयोजित होगी

धर्मशाला,(आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप कक्षा 10वीं के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की नई प्रणाली लागू कर दी है। बोर्ड द्वारा जारी जानकारी के अनुसार एनईपी के पैरा 4.37 में यह स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि बोर्ड परीक्षाओं को आसान और कम तनावपूर्ण बनाया जाएगा, ताकि छात्र रटने की बजाय अपनी समझ, सीखने की क्षमता और कौशल के आधार पर मूल्यांकित हों। इसी दिशानिर्देश के

तहत बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 से यह नई नीति लागू करने का निर्णय लिया है। नई प्रणाली के तहत फरवरी-मार्च में पहली परीक्षा होगी, जिसे मुख्य परीक्षा कहा जाएगा, जबकि जून-जुलाई में दूसरी परीक्षा आयोजित होगी, जिसे सुधार परीक्षा के रूप में जाना जाएगा। मुख्य परीक्षा में सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। मुख्य परीक्षा के परिणामों के आधार पर छात्रों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। आवश्यक सुधार श्रेणी में वे विद्यार्थी आएंगे जिन्होंने पांच अनिवार्य विषयों में से कम से कम तीन विषय पास किए हैं। ऐसे विद्यार्थियों को दो विषयों में सुधार परीक्षा का अवसर दिया जाएगा। दोनों विषयों में पास होने पर छात्र उत्तीर्ण घोषित होगा, जबकि एक विषय पास करने पर उसे कम्पार्टमेंट की श्रेणी में रखा जाएगा। दोनों विषयों में असफलता की स्थिति में छात्र अनिवार्य पुनरावृत्ति श्रेणी में जाएगा। इसके साथ ही, उत्तीर्ण किए गए तीन विषयों में से एक विषय में भी सुधार का विकल्प दिया जाएगा। वैकल्पिक सुधार श्रेणी उन छात्रों के लिए होगी जो मुख्य परीक्षा में सभी

-(शेष पृष्ठ 11 पर)-

हिमाचल प्रदेश में 10वीं...

अनिवार्य विषय पास कर चुके हैं और अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना चाहते हैं। ऐसे विद्यार्थी अधिकतम तीन विषयों में सुधार परीक्षा दे सकेंगे। वहीं अनिवार्य पुनरावृत्ति श्रेणी में वे विद्यार्थी शामिल किए जाएंगे जो पांच में से तीन विषय भी पास नहीं कर पाए हैं। ऐसे छात्रों को सुधार परीक्षा का अवसर नहीं मिलेगा और उन्हें अगले शैक्षणिक वर्ष की मुख्य परीक्षा में फिर से शामिल होना होगा। मुख्य परीक्षा में जिन विद्यार्थियों का परिणाम कम्पार्टमेंट आता है, उन्हें द्वितीय परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी। दोनों परीक्षाएं पूरे निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर ली जाएंगी और परीक्षा की योजना एक जैसी रहेगी। द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित होने के 15 दिनों के भीतर भरने होंगे और इसके लिए वही शुल्क देना होगा जो बोर्ड द्वारा कम्पार्टमेंट श्रेणी के लिए निर्धारित किया गया है। मुख्य और सुधार परीक्षा के बीच विषय परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी। आवश्यक सुधार श्रेणी में आने वाले विद्यार्थियों को कक्षा जमा एक में अस्थायी प्रवेश दिया जाएगा, लेकिन उन्हें 11वीं कक्षा की परीक्षा से पहले या उसके साथ 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य रहेगा। इस संबंध में बोर्ड ने 26 नवंबर 2025 को अधिसूचना जारी कर दी है, जो बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। ।

Apka Faisla

विधान सभा, लोक सभा लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर : कुलदीप पठानिया

धर्मशाला, (आपका फैसला)। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गोला, भटियात के छात्र छात्राओं ने सत्र से पूर्व विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से मुलाकात की। विद्यार्थियों ने कुलदीप सिंह पठानिया से मुलाकात के दौरान आज होने वाली कार्यवाही, संसदीय प्रणाली व विधान सभा की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी हासिल की। इस अवसर पर बच्चों से संवाद करते हुए पठानिया ने कहा कि विधान सभा, लोक सभा लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर हैं, जहां देश का कानून बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आज के युवा जिस तरह से संसदीय प्रणाली की ओर आकर्षित हो रहे हैं, यह लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। पठानिया ने कहा कि आज सत्र का तीसरा दिन है और दर्शक दीर्घा हमेशा भरी रहती है जो आश्वस्त करता है कि लोगों में संसदीय प्रणाली के प्रति अगाध विश्वास है। पठानिया ने कहा कि हमारा

लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसका लोहा पूरा विश्व मानता है। पठानिया ने कहा कि हमारे देश का संविधान सर्वोच्च है जो हमें जहाँ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करवाता है वहीं हमें हमारे कर्तव्यों के बारे में सचेत करता है। पठानिया ने छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि मतदान के जरिए विधान सभा के लिए हम जिन्हें चुनते हैं, वह ही यहां सदन में बैठ सकते हैं। उन्हें ही महत्त्वपूर्ण चर्चाओं में भाग लेने का अधिकार है तथा जिनकी संख्या ज्यादा होती है उनकी सरकार बनती है तथा जिनकी कम होती है वह विपक्ष में बैठते हैं। पठानिया ने कहा कि जिनकी सरकार होती है, उन्हीं का मुख्यमंत्री होता है तथा मंत्रिपरिषद का गठन भी उन्हीं में से होता है। इसके अतिरिक्त केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के पत्रकारिता विभाग के छात्र छात्राओं ने भी माननीय अध्यक्ष से मुलाकात के बाद सदन की कार्यवाही को देखा। इस अवसर पर उनके साथ उप-मुख्य सचेतक हि. प्र. सरकार केवल सिंह पठानिया, विधायक कैप्टन रणजीत सिंह राणा, विवेक शर्मा(विक्कू) तथा हि. प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा भी मौजूद थे।

Apka Faisla

हिमाचल प्रदेश में 10वीं की दोहरी बोर्ड परीक्षा व्यवस्था लागू : शिक्षा बोर्ड

नई प्रणाली के तहत फरवरी-मार्च में पहली परीक्षा होगी, जबकि जून-जुलाई में दूसरी परीक्षा आयोजित होगी

धर्मशाला,(आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप कक्षा 10वीं के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की नई प्रणाली लागू कर दी है। बोर्ड द्वारा जारी जानकारी के अनुसार एनईपी के पैरा 4.37 में यह स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि बोर्ड परीक्षाओं को आसान और कम तनावपूर्ण बनाया जाएगा, ताकि छात्र रटने की बजाय अपनी समझ, सीखने की क्षमता और कौशल के आधार पर मूल्यांकित हों। इसी दिशानिर्देश के तहत बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 से यह नई नीति लागू करने का निर्णय लिया है। नई प्रणाली के तहत फरवरी-मार्च में पहली परीक्षा होगी, जिसे मुख्य परीक्षा कहा जाएगा, जबकि जून-जुलाई में दूसरी परीक्षा आयोजित होगी, जिसे सुधार परीक्षा के रूप में जाना जाएगा। मुख्य परीक्षा में सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। मुख्य परीक्षा के परिणामों के आधार पर छात्रों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। आवश्यक सुधार श्रेणी में वे विद्यार्थी आएंगे जिन्होंने पांच अनिवार्य विषयों में से कम से कम तीन विषय पास किए हैं। ऐसे विद्यार्थियों को दो विषयों में सुधार परीक्षा का अवसर दिया जाएगा। दोनों विषयों में पास होने पर छात्र उत्तीर्ण घोषित होगा, जबकि एक विषय पास करने पर उसे कम्पार्टमेंट की श्रेणी में रखा जाएगा। दोनों विषयों में असफलता की स्थिति में छात्र अनिवार्य पुनरावृत्ति श्रेणी में जाएगा। इसके साथ ही, उत्तीर्ण किए गए तीन विषयों में से एक विषय में भी सुधार का विकल्प दिया जाएगा। वैकल्पिक सुधार श्रेणी उन छात्रों के लिए होगी जो मुख्य परीक्षा में सभी

-(शेष पृष्ठ 11 पर)-

हिमाचल प्रदेश में 10वीं...

अनिवार्य विषय पास कर चुके हैं और अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना चाहते हैं। ऐसे विद्यार्थी अधिकतम तीन विषयों में सुधार परीक्षा दे सकेंगे। वहीं अनिवार्य पुनरावृत्ति श्रेणी में वे विद्यार्थी शामिल किए जाएंगे जो पांच में से तीन विषय भी पास नहीं कर पाए हैं। ऐसे छात्रों को सुधार परीक्षा का अवसर नहीं मिलेगा और उन्हें अगले शैक्षणिक वर्ष की मुख्य परीक्षा में फिर से शामिल होना होगा। मुख्य परीक्षा में जिन विद्यार्थियों का परिणाम कम्पार्टमेंट आता है, उन्हें द्वितीय परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी। दोनों परीक्षाएं पूरे निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर ली जाएंगी और परीक्षा की योजना एक जैसी रहेगी। द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित होने के 15 दिनों के भीतर भरने होंगे और इसके लिए वही शुल्क देना होगा जो बोर्ड द्वारा कम्पार्टमेंट श्रेणी के लिए निर्धारित किया गया है। मुख्य और सुधार परीक्षा के बीच विषय परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी। आवश्यक सुधार श्रेणी में आने वाले विद्यार्थियों को कक्षा जमा एक में अस्थायी प्रवेश दिया जाएगा, लेकिन उन्हें 11वीं कक्षा की परीक्षा से पहले या उसके साथ 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य रहेगा। इस संबंध में बोर्ड ने 26 नवंबर 2025 को अधिसूचना जारी कर दी है, जो बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। ।

विधानसभा शीतकालीन सत्र शाहपुर के विधायक केवल और फतेहपुर के विधायक भवानी के प्रस्ताव पर मंत्री ने की घोषणा

वीर राम सिंह पठानिया को अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी घोषित करने की मांग केंद्र को भेजेगी सरकार:चौहान

भास्कर न्यूज | धर्मशाला

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में हिमाचल के पुराने स्वतंत्रता सेनानी वीर राम सिंह पठानिया को अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी घोषित करने की मांग की गई। गैर-सरकारी सदस्य कार्य दिवस के तहत शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया और फतेहपुर के विधायक भवानी पठानिया ने ये प्रस्ताव सदन में रखा। इनका कहना था कि वीर राम सिंह पठानिया को स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत के रूप में केंद्र सरकार से मान्यता दिलाई जाए। इस मुद्दे पर विधानसभा में हुई चर्चा के बाद कैबिनेट मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने घोषणा की कि राज्य सरकार ये प्रस्ताव केंद्र को भेजेगी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में राम सिंह पठानिया के योगदान को इतिहास में वह स्थान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे। कुछ रिकॉर्ड में उनके अद्भुत और अग्रणी योगदान के प्रमाण जरूर मिले हैं, जिनके आधार पर केंद्र को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

इस प्रस्ताव के समर्थन में नूरपुर के विधायक रणवीर सिंह निक्का ने भी राम सिंह पठानिया को प्रथम स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा देने की मांग करते हुए कहा कि उनके युद्ध में पहने लोहे के वस्त्र आज भी नूरपुर में संरक्षित हैं। उन्हें जल्द से जल्द अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी घोषित किया जाए। इसी तरह ज्वालामुखी के विधायक संजय रत्न ने कहा कि उनके माता-पिता और नानी भी स्वतंत्रता सेनानी रहे हैं। अंग्रेजों से बचने के लिए जंगलों में पत्ते खाकर दिन गुजारने की उनके पिता की कहानी उन्होंने साझा की। उन्होंने सुझाव दिया कि नियमों में ढील देकर फ्रीडम फाइटर बोर्ड का गठन किया जाए और धर्मशाला के दाड़ी में बन रहे स्मारक के लिए भी तेजी से काम किया जाए। भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने कहा कि वीर राम सिंह ने अंग्रेजों के खिलाफ पांच सफल युद्ध लड़े थे। जैसे परमवीर चक्र प्रदेश के सोमनाथ शर्मा को मिला, वैसे ही प्रथम स्वतंत्रता सेनानी के रूप में पठानिया के योगदान को मान्यता मिलनी चाहिए।

अंग्रेजों ने लंदन ले जाकर सुनाई थी काला पानी की सजा : केवल

विधायक केवल सिंह पठानिया ने बताया कि वीर राम सिंह पठानिया का जन्म 10 अप्रैल 1824 को हुआ था। उस समय कांगड़ा-सिक्ख संधि के बाद जब अंग्रेजों ने पहाड़ों पर कब्जा जमाना शुरू किया तो सबसे पहले आवाज बुलंद करने वाले राम सिंह पठानिया ही थे। एक दिन पूजा करते समय अंग्रेज सेना ने उन्हें धोखे से बंदी बना लिया और कालापानी की सजा सुना दी। वे पहले हिंदुस्तानी थे, जिन्हें लंदन ले जाकर वहां से काला पानी की सजा दी गई। विधायक ने मांग की कि भाषा एवं संस्कृति विभाग उनकी वीरता और बलिदान को स्वतंत्रता सेनानी सूची में शामिल करे।

युवाओं तक पहुंचे गाथाएं : भवानी

भवानी सिंह पठानिया ने कहा कि 24 वर्ष की आयु में देश के लिए बलिदान देने वाले इस अमर वीर योद्धा की गाथाएं आज के युवाओं तक पहुंचाना जरूरी है। हम आज जिस खुली हवा में सांस ले रहे हैं, उसके पीछे ऐसे वीरों की कुर्बानी है। इनके नाम और योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की मांग है।

रिकॉर्ड से हटेंगी विषय से हटकर कीं बातें : अध्यक्ष

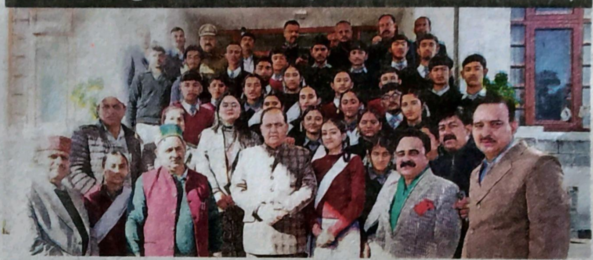

विधानसभा में वीरवार को सदन की कार्यवाही के दौरान विषय से हटकर की गई टिप्पणियों को रिकॉर्ड से हटाया जाएगा। ये निर्णय शुक्रवार को सदन में निर्णय लिया गया। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी द्वारा विषय से इतर दिए गए बयान, रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं बनेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में सदन परिसर में किसी भी प्रकार का धरना-प्रदर्शन करने से पहले विधानसभा सचिवालय से अनुमति लेनी होगी, ताकि कानून-व्यवस्था पर प्रभाव न पड़े। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने स्पष्ट किया कि सदन में विषय से अलग किसी भी टिप्पणी को रिकॉर्ड में नहीं रखा जाएगा। उन्होंने दोबारा पुष्टि की कि राजस्व मंत्री की असंबद्ध टिप्पणियां रिकॉर्ड से हटाई जाएंगी।

विपक्ष का आरोप-राजस्व मंत्री ने कही अपमानजनक बातें : विधानसभा में सुबह 11:26 बजे हंगामे के चलते कार्यवाही स्थगित की गई। 11:50 बजे दोबारा शुरू होने पर विपक्ष सदन में उपस्थित नहीं था। बाद में प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर सभी विधायकों के साथ सदन में पहुंचे। जयराम ने दावा किया कि पंचायत चुनावों के स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने विषय से हटकर बातें कहीं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। मंत्री ने जिस राज्य का उदाहरण दिया, वहां "झूठे मामले दर्ज करने जैसी बातें कही गईं," जो स्वीकार्य नहीं हैं।

विधानसभा और लोकसभा लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर:कुलदीप पठानिया

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा, लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर हैं, जहां पर देश के कानून बनते हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों को जीवन मिलता है। वह शुक्रवार को विधानसभा परिसर में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गोला, भटियात के विद्यार्थियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों सदन की कार्यप्रणाली, संसदीय प्रणाली के साथ ही आज की कार्यवाही के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

आपसी सामंजस्य से चले सदन:सुक्खू

धर्मशाला| विधानसभा का प्रश्नकाल शुरू होते ही मुख्यमंत्री सुक्खू ने सदस्यों द्वारा असंबंधित मुद्दे उठाने की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने विपक्ष पर तंज करते हुए कहा कि "जैसे ही राजस्व मंत्री बोलने खड़े होते हैं, विपक्ष के सदस्य सदन से बाहर चले जाते हैं।" सीएम ने तिरंगे के अपमान को लेकर पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि इतिहास में कभी राष्ट्रीय ध्वज का अपमान नहीं होने दिया गया। उन्होंने अध्यक्ष से अपील की कि व्यक्तिगत टिप्पणियों को भी रिकॉर्ड से हटाया जाए और सदन को आपसी सहमति से चलाया जाए।

प्रदेश में बनें अधिक गौशालाएं: सुखराम

धर्मशाला| हिमाचल विधानसभा के विंटर सेशन में शुक्रवार को आवारा पशुओं की बढ़ती समस्या पर विस्तृत चर्चा हुई। पांवटा साहिब के भाजपा विधायक सुख राम चौधरी ने नियम 101 के तहत मोशन लाकर अधिक गौशालाएं बनाने की मांग की। पशुपालन मंत्री प्रो. चंदर कुमार ने बताया कि प्रदेश में 260 निजी और 15 सरकारी गौशालाएं कार्यरत हैं, जिन पर 71.98 करोड़ खर्च हुआ है। इस वर्ष 40 करोड़ से अधिक का प्रावधान और प्रति पशु प्रोत्साहन राशि 700 से बढ़ाकर 1200 रुपये की गई है। भाजपा विधायक रीना कश्यप ने सख्त सजा की मांग की, जबकि अन्य विधायकों ने आधुनिक शेल्टर और समुदाय की भागीदारी से समाधान सुझाया।

सत्र में जनमुद्दों पर हंगामा, वेतन-भत्तों पर एकजुटता दिखी: डॉ. संजीव गुलेरिया

नूरपुर| शीतकालीन सत्र में बेरोजगारी, लंबित सड़कों, न्यूनतम वेतन और पेंशनरों के मुद्दों पर जहां विपक्ष-सरकार में टकराव नजर आया, वहीं अपने वेतन-भत्तों में बढ़ोतरी के मामले में सभी विधायक एकजुट दिखे। न्यू पेंशन स्कीम दस वर्ष से कम सेवाकाल वाले रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. संजीव गुलेरिया ने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर विधायक खरे नहीं उतरे और वे रोजगार व पेंशन जैसे मूल मुद्दों पर विफल रहे हैं। पेंशनरों को सम्मानजनक पेंशन देने के समय 'खाली खजाना' का हवाला दिया जाता है, जबकि स्वयं के भत्ते बढ़ाने में यह तर्क गायब हो जाता है। लोगों का सवाल है क्या हिमाचल की जनता की आवाज फिर राजनीतिक शोर में दब जाएगी?

Scanned by Scanner Go

बोर्ड परीक्षाएं बनाएंगे
आसान : डा .राजेश

2

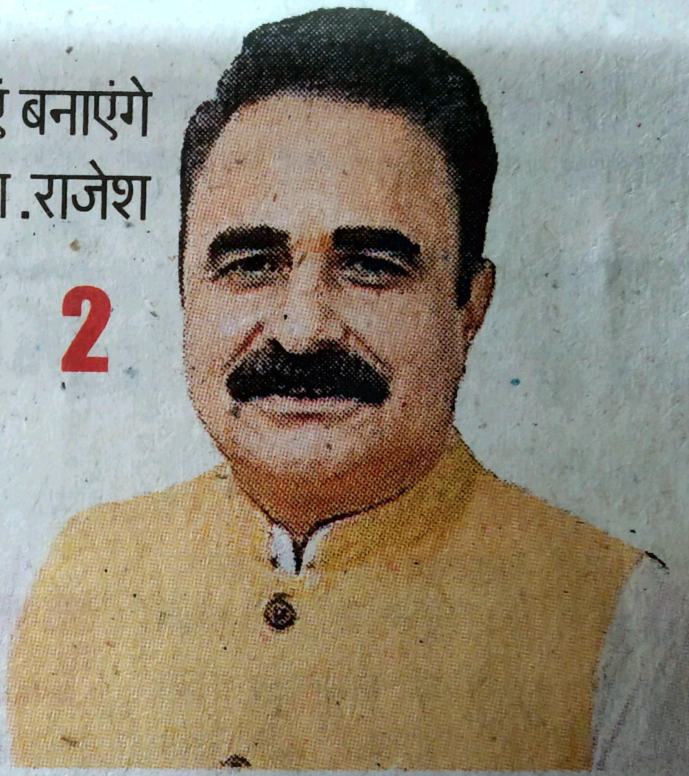

www.jagran.com

Scanned by Scanner Go

Dainik Jagran

बोर्ड परीक्षाएं बनाएंगे आसान

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पैरा 4.37 के प्रविधान मुताबिक बोर्ड परीक्षाओं को भी आसान बनाया जाएगा।

महीनों की कोचिंग और रटने के बजाय मुख्य रूप से मूल क्षमताएं योग्यताएं का परीक्षण करेंगी। कोई भी विद्यार्थी जो स्कूल की कक्षा में जाकर बुनियादी प्रयास कर रहा है, यह बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के संबंधित विषय की बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण हो सकेगा। बोर्ड परीक्षाओं के अत्यधिक जोखिम वाले पहलू को और कम करने के लिए सभी विद्यार्थियों को शैक्षणिक वर्ष में अधिकतम दो बार बोर्ड परीक्षा देने की अनुमति होगी, एक मुख्य परीक्षा और एक यदि वे चाहें तो सुधार के लिए दूसरी परीक्षा।

डा. राजेश शर्मा • जागरण आर्काइव

एनईपी-2020 के अनुसार, शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2025-2026 से दसवीं कक्षा के लिए दो बार बोर्ड परीक्षाओं की नीति लागू करने का निर्णय लिया है।

Scanned by Scanner Go

Punjab Kesari

10वीं की बोर्ड परीक्षा अब साल में 2 बार, शिक्षा बोर्ड ने लागू की नई नीति

धर्मशाला, 28 नवम्बर (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत बड़ा कदम उठाते हुए शैक्षणिक सत्र 2025-26 से कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में 2 बार आयोजित करने का निर्णय लागू कर दिया है।

पहली परीक्षा फरवरी-मार्च में मुख्य परीक्षा और दूसरी जून-जुलाई में सुधार परीक्षा होगी। मुख्य परीक्षा में शामिल होना सभी छात्रों के लिए अनिवार्य रहेगा। मुख्य परीक्षा परिणाम के आधार पर विद्यार्थियों को आवश्यक सुधार, वैकल्पिक सुधार और अनिवार्य पुनरावृत्ति 3 श्रेणियों में रखा जाएगा। आवश्यक सुधार श्रेणी वाले विद्यार्थियों को 2 विषयों में सुधार परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी, जबकि सभी विषय पास करने वाले विद्यार्थी 3 विषयों तक अपने अंक सुधार सकते हैं।

Scanned by Scanner Go

Punjab Kesari

धर्मशाला : विधानसभा सत्र के तीसरे दिन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गोला, भटियात के छात्र-छात्राओं ने सत्र प्रारंभ होने से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से सौजन्य भेंट कर सदन की कार्रवाई, संसदीय प्रणाली तथा विधानसभा की कार्यप्रणाली संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर हैं, जहां देश के कानून बनाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के पत्रकारिता विभाग के छात्र-छात्राओं ने भी अध्यक्ष से भेंट कर सदन की कार्रवाई का अवलोकन किया। इस अवसर पर उप मुख्य सचेतक हिमाचल प्रदेश सरकार केवल सिंह पठानिया, विधायक कैप्टन रणजीत सिंह राणा, विवेक शर्मा (विक्कू) तथा हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा भी उपस्थित रहे। (प्रियंका)

Scanned by Scanner Go